# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| दैनिक भास्कर | 25.2.24 | 2 | 3-5 |

# कार्यक्रम बच्चों के विकास के लिए जरूरी: प्रो. कांबोज

## एचएयू के कॉलेज में प्रतिभा खोज-2024 कार्यक्रम का आयोजन

भास्कर न्यूज | हिसार

सांस्कृतिक कार्यक्रम विद्यार्थियों को एक साथ लाने और उन्हें आपस में जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम है। यह मंच भिन्न-भिन्न प्रकार की संस्कृति को एक साथ लाने व विद्यार्थियों को उनकी प्रतिभा को दर्शाने का अवसर प्रदान करता है। ये विचार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में आयोजित प्रतिभा खोज-2024 कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे।

इस कार्यक्रम का आयोजन उपरोक्त महाविद्यालय की सांस्कृतिक मंच शाखा द्वारा किया गया। मुख्यातिथि ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम से विद्यार्थियों को अपनी संस्कृति व विरासत के प्रति सम्मान करने की भावना प्रदान करते हैं।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| दैनिक जागरण | 25.2.24 | 3 | 1-4 |

# प्रतिभा खोज विद्यार्थियों के प्रतिभा दिखाने का मंच

- हकृवि के मानविकी महाविद्यालय में प्रतिभा खोज का आयोजन
- कुलपति प्रोफेसर बीआर कांबोज रहे कार्यक्रम के मुख्य अतिथि

जागरण संवाददाता, हिसार : सांस्कृतिक कार्यक्रम विद्यार्थियों को एक साथ लाने और उन्हें आपस में जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम है। यह मंच भिन्न-भिन्न प्रकार की संस्कृति को एक साथ लाने व विद्यार्थियों को उनकी प्रतिभा को दर्शाने का अवसर प्रदान करता है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में आयोजित प्रतिभा खोज-2024 कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज कार्यक्रम को संबोधित करते हुए● पीआरओ

प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि प्रतिभा खोज-2024 कार्यक्रमों जैसी गतिविधियों से विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्हें जागरूक और समर्थ नागरिक के रूप में तैयार करती है। विश्वविद्यालय के विद्यार्थी शिक्षा में बेहतर प्रदर्शन के साथ-साथ खेलो व सांस्कृतिक जैसे कार्यक्रमों में भी बढ़चढ़ कर भाग लेते हैं। ऐसे कार्यक्रम से विद्यार्थियों को अपनी संस्कृति व विरासत के प्रति सम्मान करने की भावना प्रदान करते हैं, साथ ही इनके माध्यम से विद्यार्थी नैतिकता, सहनशीलता, सहयोग, अनुशासन और दूसरों का सम्मान करने की भावना सीखते हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं विद्यार्थियों को उपलब्ध करवाता है, जिससे विद्यार्थी किसी भी क्षेत्र में अपने गांव, समाज, प्रदेश व देश में अपना एवं विश्वविद्यालय का नाम रोशन कर रहे हैं।

## डांस से किया मंत्रमुग्ध

विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। इसमें तनीषा ने कत्थक डांस, शुभम ने पेट्रियोट, राहुल ने बालीवुड डांस, अन्नू व मनीषा ने सामूहिक हरियाणवी डांस व एकल में उषा, मोनिका ने हरियाणवी डांस कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। सुगंध ने पंजाबी गाना और राहुल ने पंजाबी नृत्य किया। साथ ही लक्ष्य ने एकल गान गाकर सभी से तालियां बटोरीं। इसके अलावा विद्यार्थियों ने हरियाणवी स्किट में विकसित भारत 2047 और स्वच्छ भारत विषय पर देश को समृद्ध बनाने एवं पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश दिया।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| अमर उजाला | 25-2-24 | 2 | 4-7 |

# सामूहिक हरियाणवी नृत्य से छात्राओं ने मोहा मन

माई सिटी रिपोर्टर

**हिसार।** चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में प्रतिभा खोज-2024 कार्यक्रम में मुख्यातिथि प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को जागरूक और समर्थ नागरिक के रूप में तैयार करते हैं। इनके माध्यम से विद्यार्थी नैतिकता, सहनशीलता, सहयोग, अनुशासन और दूसरों का सम्मान करने की भावना सीखते हैं। उन्होंने सांस्कृतिक कार्यक्रम में बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित भी किया।

तनीषा ने कत्थक डांस, शुभम ने पेट्रियोट, राहुल ने बॉलीवुड डांस, अन्नू व मनीषा ने सामूहिक हरियाणवी डांस व एकल में उषा, मोनिका ने हरियाणवी डांस

हकृवि में आयोजित प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में नृत्य की प्रस्तुति देतीं छात्राएं। स्रोत : संस्थान

कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। सुगंध ने पंजाबी गाना और राहुल ने पंजाबी नृत्य किया। साथ ही लक्ष्य ने एकल गान गाकर सभी से तालियां बटोरी। इसके अलावा विद्यार्थियों ने हरियाणवी स्किट में विकसित भारत 2047 और स्वच्छ भारत विषय पर देश को समृद्ध बनाने एवं पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश दिया। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार, डॉ. अर्पणा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। मंच का संचालन विद्यार्थी अंकित व सुनैना ने किया।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| दैनिक भूमि | 25.2.24 | 13 | 2-5 |

## मौलिक विज्ञान एवं मानविकी कॉलेज में प्रतिभा खोज कार्यक्रम

# सांस्कृतिक कार्यक्रम विद्यार्थियों को जोड़ने का सशक्त माध्यम

**कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि प्रतिभा खोज छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए जरूरी**

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा है कि सांस्कृतिक कार्यक्रम विद्यार्थियों को एक साथ लाने और उन्हें आपस में जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम है। यह मंच भिन्न-भिन्न प्रकार की संस्कृति को एक साथ लाने व विद्यार्थियों को उनकी प्रतिभा को दशानें का अवसर प्रदान करता है। कुलपति प्रो. काम्बोज शनिवार को विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में आयोजित प्रतिभा खोज-2024 कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम का आयोजन उपरोक्त महाविद्यालय की सांस्कृतिक मंच शाखा द्वारा किया गया। कुलपति ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रतिभा खोज-2024 कार्यक्रमों जैसी गतिविधियों से विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के सर्वांगिण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्हें जागरूक और समर्थ नागरिक के रूप में तैयार करती है। विश्वविद्यालय के विद्यार्थी शिक्षा में बेहतर प्रदर्शन के साथ-साथ खेलों व सांस्कृतिक जैसे कार्यक्रमों में भी बढ़चढ़ कर भाग लेते हैं। ऐसे कार्यक्रम से विद्यार्थियों को अपनी संस्कृति व विरासत के प्रति सम्मान करने की भावना प्रदान करते हैं, साथ ही इनके माध्यम से विद्यार्थी नैतिकता, सहनशीलता, सहयोग, अनुशासन और दूसरों का सम्मान करने की भावना सीखते हैं। मुख्य अतिथि ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित भी किया।

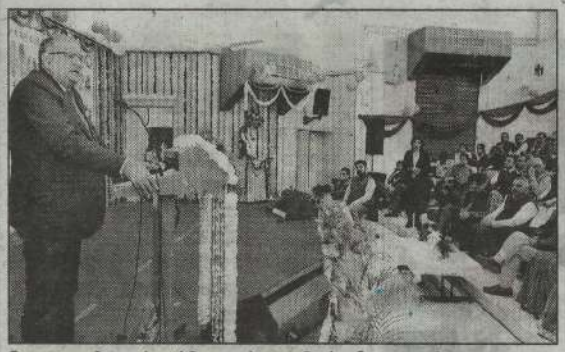

हिसार। कार्यक्रम को संबोधित करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज।

हिसार। प्रतिभा खोज-2024 में नृत्य पेश करती छात्राएं।

### विद्यार्थियों ने विकसित भारत बनाने व पर्यायवरण संरक्षण का दिया संदेश

प्रतिभा खोज-2024 कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया, जिसमें तनीषा ने कत्थक डांस, शुभम ने पेट्रियोट, राहुल ने बॉलीवुड डांस, अव्वू व मनीषा ने सामूहिक हरियाणवी डांस व एकल में उषा, मोनिका ने हरियाणवी डांस कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। सुगंध ने पंजाबी गाना और राहुल ने पंजाबी नृत्य किया। साथ ही लक्ष्य ने एकल गान गाकर सभी से तालियां बटोरी। इसके अलावा विद्यार्थियों ने हरियाणवी स्कीट में विकसित भारत 2047 और स्वच्छ भारत विषय पर देश को समृद्ध बनाने एवं पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश दिया। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने सभी का स्वागत कर कार्यक्रम की विस्तारपूर्वक जानकारी दी, जबकि महाविद्यालय की शाखा सांस्कृतिक मंच की प्रभारी डॉ. अर्पणा ने धन्यवाद किया। मंच का संचालन विद्यार्थी अंकित व सुनैना ने किया।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| पंजाब केसरी | 25-2-24 | 4 | 3-6 |

# प्रतिभा खोज जैसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए जरूरी : प्रो. काम्बोज

**■ हकृवि के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में प्रतिभा खोज का आयोजन**

हिसार, 24 फरवरी (ब्यूरो): सांस्कृतिक कार्यक्रम विद्यार्थियों को एक साथ लाने और उन्हें आपस में जोडने का महत्वपूर्ण माध्यम है। यह मंच भिन्न-भिन्न प्रकार की संस्कृति को एक साथ लाने व विद्यार्थियों को उनकी प्रतिभा को दर्शाने का अवसर प्रदान करता है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में आयोजित प्रतिभा खोज-2024 कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम का आयोजन उपरोक्त महाविद्यालय की सांस्कृतिक मंच शाखा द्वारा किया गया।

मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रतिभा खोज-2024 कार्यक्रमों जैसी गतिविधियों से विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्हें जागरूक और समर्थ नागरिक के रूप में तैयार करती है। विश्वविद्यालय के विद्यार्थी शिक्षा में बेहतर प्रदर्शन के साथ-साथ खेलो व सांस्कृतिक जैसे कार्यक्रमों में भी बढ़चढ़ कर भाग लेते हैं। ऐसे कार्यक्रम से विद्यार्थियों को अपनी संस्कृति व विरासत के प्रति सम्मान करने की भावना प्रदान करते हैं, साथ ही इनके माध्यम से विद्यार्थी नैतिकता, सहनशीलता, सहयोग, अनुशासन और दूसरों का सम्मान करने की भावना सीखते हैं। मुख्यातिथि ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित भी किया।

हकृवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ विजेता विद्यार्थी।

प्रतिभा खोज-2024 में नृत्य पेश करती कलाकार।

## विद्यार्थियों ने प्रतिभा के माध्यम से दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

प्रतिभा खोज-2024 कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया, जिसमें तनीषा ने कत्थक डांस, शुभम ने पेट्रियोट, राहुल ने बॉलीवुड डांस, अन्नू व मनीषा ने सामूहिक हरियाणवीं डांस व एकल में उषा, मोनिका ने हरियाणवीं डांस कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। सुगंध ने पंजाबी गाना और राहुल ने पंजाबी नृत्य किया। साथ ही लक्ष्य ने एकल गान गाकर सभी से तालियां बटोरी।

इसके अलावा विद्यार्थियों ने हरियाणवी स्कीट में विकसित भारत 2047 और स्वच्छ भारत विषय पर देश को समृद्ध बनाने एवं पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश दिया। मंच का संचालन विद्यार्थी अंकित व सुनैना ने किया।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| अजीत समाचार | 25.2.25 | 5 | 6-8 |

## प्रतिभा खोज जैसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए जरूरी : प्रो. काम्बोज

हिसार, 24 फरवरी (विरेन्द्र वर्मा): सांस्कृतिक कार्यक्रम विद्यार्थियों को एक साथ लाने और उन्हें आपस में जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम है। यह मंच भिन्न-भिन्न प्रकार की संस्कृति को एक साथ लाने व विद्यार्थियों को उनकी प्रतिभा को दर्शाने का अवसर प्रदान करता है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में आयोजित प्रतिभा खोज-2024 कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम का आयोजन उपरोक्त महाविद्यालय की सांस्कृतिक मंच शाखा द्वारा किया गया। मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रतिभा खोज-2024 कार्यक्रमों जैसी गतिविधियों से विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के सर्वांगिण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्हें जागरूक और समर्थ नागरिक के रूप में तैयार करती है। विश्वविद्यालय के विद्यार्थी शिक्षा में बेहतर प्रदर्शन के साथ-साथ खेलो व सांस्कृतिक जैसे कार्यक्रमों में भी बढ़चढ़ कर भाग लेते हैं। ऐसे कार्यक्रम से विद्यार्थियों को अपनी संस्कृति व विरासत के प्रति सम्मान करने की भावना प्रदान करते हैं, साथ ही इनके माध्यम से विद्यार्थी नैतिकता, सहनशीलता, सहयोग, अनुशासन और दूसरों का सम्मान करने की भावना सीखते हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय जोकि राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं विद्यार्थियों को उपलब्ध करवाता है, जिससे विद्यार्थी किसी भी क्षेत्र में आगे चलकर अपने गांव, समाज, प्रदेश व देश में अपना एवं विश्वविद्यालय का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने चहुमुखी विकास के लिए शिक्षा, खेल एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बढ़चढ़ कर भाग लें। साथ ही अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए अनुशासन में रहकर कड़ी मेहनत करने का भी संदेश दिया। मुख्यातिथि ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित भी किया। प्रतिभा खोज-2024 कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया, जिसमें तनीषा ने कत्थक डांस, शुभम ने पेट्रियोट, राहुल ने बॉलिवुड डांस, अन्नू व मनीषा ने सामूहिक हरियाणवी डांस व एकल में उषा, मोनिका ने हरियाणवी डांस कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। सुगंध ने पंजाबी गाना और राहुल ने पंजाबी नृत्य किया। साथ ही लक्ष्य ने एकल गान गाकर सभी से तालियां बटोरी। इसके अलावा विद्यार्थियों ने हरियाणवी स्कीट में विकसित भारत 2047 और स्वच्छ भारत विषय पर देश को समृद्ध बनाने एवं पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश दिया।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज कार्यक्रम को संबोधित करते हुए।

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने सभी का स्वागत कर कार्यक्रम की विस्तारपूर्वक जानकारी दी, जबकि उपरोक्त महाविद्यालय की शाखा सांस्कृतिक मंच की प्रभारी डॉ. अर्पणा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। मंच का संचालन विद्यार्थी अंकित व सुनैना ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारीगण सहित इससे जुड़े समस्त महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष सहित वैज्ञानिक व बड़ी संख्या में विद्यार्थी भी मौजूद रहे।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| अजीत समाचार | 26.2.24 | 5 | 4-8 |

# हकृवि के एलुमिनाई डॉ. नवीन कुमार का नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी पुणे में निदेशक पद पर चयन

## विश्वविद्यालय के एलुमिनाई राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बना रहे अपनी विशेष पहचान : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार, 25 फरवरी (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एलुमिनाई डॉ. नवीन कुमार का इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के अंतर्गत नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ वायरोलॉजी, पुणे में निदेशक पद पर चयन हुआ। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने डॉ. नवीन कुमार को बधाई दी, साथ ही उनको स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि हकृवि के एलुमिनाई न केवल राष्ट्रीय अपितु अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा, शोध, प्रौद्योगिकियों व नवाचारों के क्षेत्र में उम्दा प्रदर्शन कर अपने ज्ञान व कौशल से लगातार अपनी विशेष पहचान बना रहे हैं। कुलपति ने कहा कि यह विश्वविद्यालय में अपनाए जा रहे उच्च शैक्षणिक व अनुसंधान मानकों का प्रतीक है। हकृवि के विद्यार्थियों व वैज्ञानिकों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नवीन तकनीकों में प्रशिक्षित करने के प्रयास में विश्व प्रसिद्ध अनेक विश्वविद्यालयों व शोध संस्थानों के साथ अनुबंध किए है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय लगातार विद्यार्थियों के सर्वांगिण विकास व अंतर्राष्ट्रीय एक्सपोजर देने में प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि हाल ही के वर्षों में विश्वविद्यालय के अनेक विद्यार्थी विश्व के अनेक विश्वविद्यालयों में उच्च शैक्षणिक डिग्री हासिल करने के लिए जा चुके हैं।

हकृवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज डॉ. नवीन कुमार को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए।

**हकृवि के चार एलुमिनाई विभिन्न विश्वविद्यालयों में कुलपति पद पर दे रहे सेवाएं :** अगर हरियाणा के विश्वविद्यालयों की बात करें तो यह गर्व की बात है कि इस विश्वविद्यालय के चार एलुमिनाई कुलपति पद पर सुशोभित है, जिनमें एचएयू में डॉ. बी.आर. काम्बोज, लुवास में डॉ. विनोद कुमार वर्मा, जीजेयू में डॉ. नरसी राम बिश्नोई और नवनियुक्त डॉ. सुरेश कुमार मल्होत्रा, एमएचएयू, करनाल में कुलपति पद पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उल्लेखनीय है कि डॉ. नवीन कुमार ने वर्ष 2006 में पीचडी की शिक्षा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार से प्राप्त की, साथ ही डॉ. नवीन कुमार पीएचडी के दौरान जर्मनी में डीएएडी फैलोशिप पर भी रहे। फिलहाल ये हिसार के राष्ट्रीय वेटनरी टाइप कल्चर आईसीएआर अश्व अनुसंधान केंद्र में वैज्ञानिक पद पर और विज्ञान भारती हिसार इकाई के सदस्य है। ये भारत के पहले वैज्ञानिक है, जिन्होंने सर्वप्रथम लंपी स्किन डिजीज और अनकोवैक्स वैक्सीन का आविष्कार किया था, जोकि पशुओं में कोविड-19 सहित अन्य बीमारियों से छुटकारा दिलाने में मददगार साबित हुई। ये संयुक्त राष्ट्र में लंपी स्किन डिजीज के विशेषज्ञ भी रहे। इनका जन्म राजस्थान के अलवर शहर में हुआ। इन्होंने वर्ष 2000 में स्नातक व स्नातकोत्तर की शिक्षा वर्ष 2002 में कॉलेज ऑफ वेटनरी साइंस, बीकानेर में पूरी की। ये वर्ष 2006 से 2011 तक अटलांटा अमेरिका में पोस्ट डॉ. फेलो भी रहे। इस उपलक्ष्य पर एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें विज्ञान भारती हिसार इकाई के अध्यक्ष व प्रधान वैज्ञानिक डॉ. संजय बरूआ, सचिव प्रोफेसर दीपक केडिया व गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार के निदेशक डॉ. प्रताप मलिक ने डॉ. नवीन कुमार को उनकी उपलब्धि पर बधाई दी। इस दौरान विज्ञान भारती के कार्यकारणी के सदस्य डॉ. विवेक गुप्ता, डॉ. विकास वर्मा, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. अमन, डॉ. हरदेव सैनी, डॉ. मीनाक्षी व कैंपस स्कूल के प्रिंसिपल सोमा शेखर शर्मा भी मौजूद रहे।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| अमर उजाला | 26.2.24 | 4 | 1-5 |

# एचएयू के पूर्व छात्र डॉ. नवीन बने नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ वायरोलॉजी के निदेशक

## देश के पहले वैज्ञानिक हैं जिन्होंने लंपी डिजीज और अनकोवैक्स वैक्सीन का आविष्कार किया था

कैंपस कॉलिंग

संवाद न्यूज एजेंसी

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र डॉ. नवीन कुमार का इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के अंतर्गत नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी पुणे में निदेशक पद पर चयन हुआ। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने डॉ. नवीन कुमार को बधाई दी।

कुलपति प्रो. कांबोज ने कहा कि हकृवि के पूर्व छात्र न केवल राष्ट्रीय अपितु अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा, शोध, प्रौद्योगिकियों व नवाचारों के क्षेत्र में प्रदर्शन कर अपने ज्ञान व कौशल से लगातार अपनी विशेष पहचान बना रहे हैं। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय में अपनाए जा रहे उच्च शैक्षणिक व अनुसंधान मानकों का प्रतीक है। एचएयू के विद्यार्थियों व वैज्ञानिकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नवीन तकनीकों में प्रशिक्षित करने के प्रयास में अनेक विश्वविद्यालयों व शोध संस्थानों के साथ अनुबंध किए है।

बता दें कि डॉ. नवीन कुमार ने वर्ष 2006 में पीचडी की शिक्षा एचएयू से प्राप्त की। पीएचडी के दौरान जर्मनी में डीएएडी फैलोशिप पर भी रहे। ये देश के पहले वैज्ञानिक है जिन्होंने सर्वप्रथम लंपी स्किन डिजीज और अनकोवैक्स वैक्सीन का आविष्कार किया था, जोकि पशुओं में कोविड-19 सहित अन्य बीमारियों से छुटकारा दिलाने में मददगार साबित हुई। इस अवसर पर विज्ञान भारती इकाई के अध्यक्ष व प्रधान वैज्ञानिक डॉ. संजय बरूआ, सचिव प्रोफेसर दीपक केडिया व जीजेयू के निदेशक डॉ. प्रताप मलिक, डॉ. विवेक गुप्ता, डॉ. विकास वर्मा, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. अमन, डॉ. हरदेव सैनी, डॉ. मीनाक्षी व कैंपस स्कूल के प्रिंसिपल सोमा शेखर शर्मा मौजूद थी।

हकृवि में डॉ. नवीन को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. बीआर कांबोज । संस्थान

### एचएयू के चार पूर्व छात्र विभिन्न विश्वविद्यालयों में कुलपति पद पर दे रहे सेवाएं

विश्वविद्यालय के चार पूर्व छात्र कुलपति पद पर सुशोभित हैं, जिनमें एचएयू में डॉ. बीआर कांबोज, लुवास में डॉ. विनोद कुमार वर्मा, जीजेयू में डॉ. नरसी राम बिश्नोई और नवनियुक्त डॉ. सुरेश कुमार मल्होत्रा, एमएचएयू, करनाल में कुलपति पद पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| दैनिक भूमि | 26.2.24 | 10 | 1-3 |

# नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी, पुणे में निदेशक बने एचएयू के एलुमिनाई डॉ. नवीन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

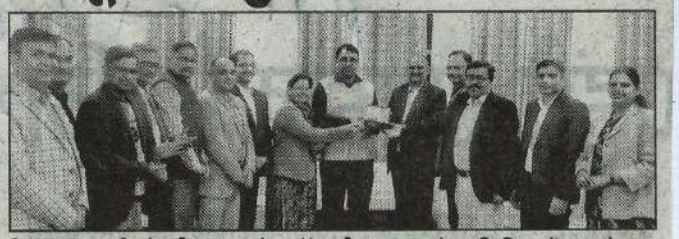

हिसार। कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज डॉ. नवीन कुमार को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एलुमिनाई डॉ. नवीन कुमार का इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के अंतर्गत नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ वायरोलॉजी, पुणे में निदेशक पद पर चयन हुआ है। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने डॉ. नवीन कुमार को बधाई दी, साथ ही उनको स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने कहा कि हकृवि के एलुमिनाई न केवल राष्ट्रीय अपितु अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा, शोध, प्रौद्योगिकियों व नवाचारों के क्षेत्र में उम्दा प्रदर्शन कर अपने ज्ञान व कौशल से लगातार अपनी विशेष पहचान बना रहे हैं। कुलपति ने कहा कि यह विश्वविद्यालय में अपनाए जा रहे उच्च शैक्षणिक व अनुसंधान मानकों का प्रतीक है। हकृवि के विद्यार्थियों व वैज्ञानिकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नवीन तकनीकों में प्रशिक्षित करने के प्रयास में विश्व प्रसिद्ध अनेक विश्वविद्यालयों व शोध संस्थानों के साथ अनुबंध किए है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय लगातार विद्यार्थियों के सर्वांगिण विकास व अंतर्राष्ट्रीय एक्सपोजर देने में प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि हाल ही के वर्षों में विश्वविद्यालय के अनेक विद्यार्थी विश्व के अनेक विश्वविद्यालयों में उच्च शैक्षणिक डिग्री हासिल करने के लिए जा चुके हैं।हकृवि के चार एलुमिनाई विभिन्न विश्वविद्यालयों में कुलपति पद पर दे रहे सेवाएं अगर हरियाणा के विश्वविद्यालयों की बात करें तो यह गर्व की बात है कि इस विश्वविद्यालय के चार एलुमिनाई कुलपति पद पर सुशोभित है।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| दैनिक भास्कर | 26.2.24 | 4 | 1-4 |

# लम्पी स्किन डिजीज व अनकोवैक्स वैक्सीन की खोज करने वाले डॉ. नवीन कुमार एनआईवी पुणे में निदेशक बने

## एचएयू के चार एलुमिनाई विभिन्न विश्वविद्यालयों में कुलपति पद पर दे रहे सेवाएं

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एलुमिनाई डॉ. नवीन कुमार का इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के अंतर्गत नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी, पुणे में निदेशक पद पर चयन हुआ। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने डॉ. नवीन कुमार को बधाई दी। साथ ही उनको स्मृति चिह्न भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि एचएयू के एलुमिनाई न केवल राष्ट्रीय अपितु अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा, शोध, प्रौद्योगिकियों व नवाचारों के क्षेत्र में उम्दा प्रदर्शन कर अपने ज्ञान व कौशल से लगातार अपनी विशेष पहचान बना रहे हैं।

अगर हरियाणा के विश्वविद्यालयों की बात करें तो यह गर्व की बात है कि इस विश्वविद्यालय के चार एलुमिनाई कुलपति पद पर सुशोभित हैं। इनमें एचएयू में वीसी डॉ. बी.आर. काम्बोज, लुवास में डॉ. विनोद कुमार वर्मा, जीजेयू में डॉ. नरसी राम बिश्नोई और नवनियुक्त डॉ. सुरेश कुमार मल्होत्रा, एमएचएयू, करनाल में कुलपति पद पर सेवाएं दे रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि डॉ. नवीन कुमार ने वर्ष 2006 में पीएचडी की शिक्षा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार से प्राप्त की, साथ ही डॉ. नवीन कुमार पीएचडी के दौरान जर्मनी में डीएएडी फैलोशिप पर भी रहे। फिलहाल ये हिसार के राष्ट्रीय वेटनरी टाइप कल्चर आईसीएआर अश्व अनुसंधान केंद्र में वैज्ञानिक पद पर और विज्ञान भारती हिसार इकाई के

सदस्य है। ये भारत के पहले वैज्ञानिक है, जिन्होंने सर्वप्रथम लंपी स्किन डिजीज और अनकोवैक्स वैक्सीन का आविष्कार किया था, जो पशुओं में कोविड-19 सहित अन्य बीमारियों से छुटकारा दिलाने में मददगार साबित हुई। ये संयुक्त राष्ट्र में लम्पी स्किन डिजीज के विशेषज्ञ भी रहे। इनका जन्म राजस्थान के अलवर शहर में हुआ। इन्होंने वर्ष 2000 में स्नातक व स्नातकोत्तर की शिक्षा वर्ष 2002 में कॉलेज ऑफ वेटनरी साइंस, बीकानेर में पूरी की। ये वर्ष 2006 से 2011 तक अटलांटा अमेरिका में पोस्ट डॉ. फेलो भी रहे।

इस उपलक्ष्य पर सम्मान समारोह किया गया, जिसमें विज्ञान भारती हिसार इकाई के अध्यक्ष व प्रधान वैज्ञानिक डॉ. संजय बरूआ, सचिव प्रोफेसर दीपक केडिया व गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार के निदेशक डॉ. प्रताप मलिक ने डॉ. नवीन कुमार को उनकी उपलब्धि पर बधाई दी। इस दौरान विज्ञान भारती के कार्यकारिणी के सदस्य डॉ. विवेक गुप्ता, डॉ. विकास वर्मा, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. अमन, डॉ. हरदेव सैनी, डॉ. मीनाक्षी व कैंपस स्कूल के प्रिंसिपल सोमा शेखर शर्मा मौजूद रहे।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| जगत क्रान्ति | **26.02.2024** | -- | -- |

# डॉ. नवीन कुमार का एनआईवी पुणे में निदेशक पद पर चयन

**हिसार/विनोद गांधी**

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एलुमिनाई डॉ. नवीन कुमार का इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के अंतर्गत नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ वायरोलॉजी, पुणे में निदेशक पद पर चयन हुआ। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने डॉ. नवीन कुमार को बधाई दी, साथ ही उनको स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि हकृवि के एलुमिनाई न केवल राष्ट्रीय अपितु अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा, शोध, प्रौद्योगिकियों व नवाचारों के क्षेत्र में उम्दा प्रदर्शन कर अपने ज्ञान व कौशल से लगातार अपनी विशेष पहचान बना रहे हैं।

कुलपति ने कहा कि यह विश्वविद्यालय में अपनाए जा रहे उच्च शैक्षणिक व अनुसंधान मानकों का प्रतीक है। हकृवि के विद्यार्थियों व वैज्ञानिकों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नवीन तकनीकों में प्रशिक्षित करने के प्रयास में विश्व प्रसिद्ध अनेक विश्वविद्यालयों व शोध संस्थानों के साथ अनुबंध किए है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय लगातार विद्यार्थियों के सर्वांगिण विकास व अंतर्राष्ट्रीय एक्सपोजर देने में प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि हाल ही के वर्षों में विश्वविद्यालय के अनेक विद्यार्थी विश्व के अनेक विश्वविद्यालयों में उच्च शैक्षणिक डिग्री हासिल करने के लिए जा चुके हैं।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| चिराग टाइम्स न्यूज | 25.02.2024 | -- | -- |

# विश्वविद्यालय के एलुमिनाई राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बना रहे अपनी विशेष पहचान : प्रो. बी.आर. काम्बोज

## हरियाणा कांग्रेस लीगल डिपार्टमेंट ने हरियाणा बजट पर दी प्रतिक्रिया

हिसार ( चिराग टाइम्स )

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एलुमिनाई डॉ. नवीन कुमार का इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के अंतर्गत नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ वायरोलॉजी, पुणे में निदेशक पद पर चयन हुआ। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने डॉ. नवीन कुमार को बधाई दी, साथ ही उनको स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि हकृवि के एलुमिनाई न केवल राष्ट्रीय अपितु अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा, शोध, प्रौद्योगिकियों व नवाचारों के क्षेत्र में उम्दा प्रदर्शन कर अपने ज्ञान व कौशल से लगातार अपनी विशेष पहचान बना रहे हैं।

**हकृवि के चार एलुमिनाई विभिन्न विश्वविद्यालयों में कुलपति पद पर दे रहे सेवाएं**

अगर हरियाणा के विश्वविद्यालयों की बात करें तो यह गर्व की बात है कि इस विश्वविद्यालय के चार एलुमिनाई कुलपति पद पर सुशोभित है, जिनमें एचएयू में डॉ. बी.आर. काम्बोज, लुवास में डॉ. विनोद कुमार वर्मा, जोजेयू में डॉ. नरसी राम बिश्नोई और नवनियुक्त डॉ. सुरेश कुमार मल्होत्रा, एमएचएयू, करनाल में कुलपति पद पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उल्लेखनीय है कि डॉ. नवीन कुमार ने वर्ष 2006 में पीचडी की शिक्षा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार से प्राप्त की, साथ ही डॉ. नवीन कुमार पीएचडी के दौरान जर्मनी में डीएएडी फैलोशिप पर भी रहे। ये संयुक्त राष्ट्र में लंपी स्किन डिजीज के विशेषज्ञ भी रहे। इनका जन्म राजस्थान के अलवर शहर में हुआ। इन्होंने वर्ष 2000 में स्नातक व स्नातकोत्तर की शिक्षा वर्ष 2002 में कॉलेज ऑफ वेटनरी साईंस, बीकानेर में पूरी की। ये वर्ष 2006 से 2011 तक अटलांटा अमेरिका में पोस्ट डॉ. फेलो भी रहे।

इस उपलक्ष्य पर एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें विज्ञान भारती हिसार इकाई के अध्यक्ष व प्रधान वैज्ञानिक डॉ. संजय बरूआ, सचिव प्रोफेसर दीपक केडिया व गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार के निदेशक डॉ. प्रताप मलिक ने डॉ. नवीन कुमार को उनकी उपलब्धि पर बधाई दी। इस दौरान विज्ञान भारती के कार्यकारणी के सदस्य डॉ. विवेक गुप्ता, डॉ. विकास वर्मा, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. अमन, डॉ. हरदेव सैनी, डॉ. मीनाक्षी व कैंपस स्कूल के प्रिंसिपल सोमा शेखर शर्मा भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
| --- | --- | --- | --- |
| सिटी पल्स न्यूज | 25.02.2024 | -- | -- |

# हकृवि के एलुमिनाई डॉ. नवीन कुमार का नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ वायरोलॉजी, पुणे में निदेशक पद पर हुआ चयन

## विश्वविद्यालय के एलुमिनाई राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बना रहे अपनी विशेष पहचान : प्रो. बी.आर.

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एलुमिनाई डॉ. नवीन कुमार का इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के अंतर्गत नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ वायरोलॉजी, पुणे में निदेशक पद पर चयन हुआ। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने डॉ. नवीन कुमार को बधाई दी, साथ ही उनको स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि हकृवि के एलुमिनाई न केवल राष्ट्रीय अपितु अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा, शोध, प्रौद्योगिकियों व नवाचारों के क्षेत्र में उम्दा प्रदर्शन कर अपने ज्ञान व कौशल से लगातार अपनी विशेष पहचान बना रहे हैं। कुलपति ने कहा कि यह विश्वविद्यालय में अपनाए जा रहे उच्च शैक्षणिक व अनुसंधान मानकों का प्रतीक है। हकृवि के विद्यार्थियों व वैज्ञानिकों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नवीन तकनीकों में प्रशिक्षित करने के प्रयास में विश्व प्रसिद्ध अनेक विश्वविद्यालयों व शोध संस्थानों के साथ अनुबंध किए है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय लगातार विद्यार्थियों के सर्वांगिण विकास व अंतर्राष्ट्रीय एक्सपोजर देने में प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि हाल ही के वर्षों में विश्वविद्यालय के अनेक विद्यार्थी विश्व के अनेक विश्वविद्यालयों में उच्च शैक्षणिक डिग्री हासिल करने के लिए जा चुके है।



कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज डॉ. नवीन कुमार को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए।

**हकृवि के चार एलुमिनाई विभिन्न विश्वविद्यालयों में कुलपति पद पर दे रहे सेवाएं**

अगर हरियाणा के विश्वविद्यालयों की बात करें तो यह गर्व की बात है कि इस विश्वविद्यालय के चार एलुमिनाई कुलपति पद पर सुशोभित है, जिनमें एचएयू में डॉ. बी.आर. काम्बोज, लुवास में डॉ. विनोद कुमार वर्मा, जीजेयू में डॉ. नरसी राम बिश्नोई और नवनियुक्त डॉ. सुरेश कुमार मल्होत्रा, एमएचयू, करनाल में कुलपति पद पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि डॉ. नवीन कुमार ने वर्ष 2006 में पीएचडी की शिक्षा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार से प्राप्त की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| पंजाब केसरी | 26.2.24 | 4 | 1-8 |

# हकृवि के एलुमिनाई डॉ. नवीन कुमार का नैशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी में निदेशक पद प

हिसार, 25 फरवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह
रियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एलुमिनाई डॉ.
ीन कुमार का इंडियन काऊंसिल ऑफ मैडीकल
र्च के अंतर्गत नैशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी,
में निदेशक पद पर चयन हुआ। इस उपलब्धि
विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज
डॉ. नवीन कुमार को बधाई दी, साथ ही उनको
ति चिन्ह भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य की
मना की।

उल्लेखनीय है कि डॉ. नवीन कुमार ने वर्ष
06 में पीएच.डी. की शिक्षा चौधरी चरण सिंह

डॉ. नवीन कुमार को स्मृति चिन्ह भेंट करते हकृवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय से प्राप्त की, साथ ही डॉ. नवीन कुमार जर्मनी में डी.ए.ए.डी. फैलोशिप पर भी रहे। फिलहाल ये हिसार के राष्ट्रीय वैटर्नरी टाइप कल्चर आई.सी.ए.आर. अश्व अनुसंधान केंद्र में वैज्ञानिक पद पर और विज्ञान भारती हिसार इकाई के सदस्य है। ये भारत के पहले वैज्ञानिक है, जिन्होंने सर्वप्रथम लंपी स्किन डिजीज और अनकोवैक्स वैक्सीन का आविष्कार किया था, जोकि पशुओं में कोविड-19 सहित अन्य बीमारियों से छुटकारा दिलाने में मददगार साबित हुई। ये संयुक्त राष्ट्र में लंपी स्किन डिजीज के विशेषज्ञ भी रहे। इनका जन्म राजस्थान के अलवर शहर में हुआ। इन्होंने वर्ष 2000 में स्नातक व स्नातकोत्तर की शिक्षा वर्ष 2002 में कॉलेज ऑफ वैटर्नरी साइंस, बीकानेर में पूरी की। ये वर्ष 2006 से 2011 तक अटलांटा अमरीका में पोस्ट डॉ. फैलो भी रहे।

## हकृवि के 4 एलुमिनाई विभिन्न विश्वविद्यालयों में कुलपति प

अगर हरियाणा के विश्वविद्यालयों की बात करें तो यह गर्व की बात है
के 4 एलुमिनाई कुलपति पद पर सुशोभित हैं, जिनमें एच.ए.यू. में डॉ. बी.
में डॉ. विनोद कुमार वर्मा, जीजेयू में डॉ. नरसी राम बिश्नोई और नवनि
मल्होत्रा, एम.एच.ए.यू., करनाल में कुलपति पद पर अपनी सेवाएं दे रहे ह

कुलपति प्रो. बी.आ
हकृवि के एलुमिनाई न के
स्तर पर शिक्षा, शोध, प्र
क्षेत्र में उम्दा प्रदर्शन कर
लगातार अपनी विशेष प